Nai Dunia (Indore), 3rd September 2021, Page-06

आइआइटी इंदौर देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा से विकसित कर रहा ड्रोन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर वेगा को उपकरण में बदलने के प्रयास में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर सफल रहा है। सीडैक बेंगलुरु द्वारा तैयार वेगा माइक्रोप्रोसेसर से पहली बार ड्रोन तैयार किया जा रहा है। आइआइटी इंदौर ने इसके लिए 60 फीसद से ज्यादा काम कर लिया है और देशभर के अन्य आइआइटी और एनआइटी को भी इसमें पछाड़ दिया है। भारत सरकार के मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफर्मेशन टेक्नोलाजी द्वारा आत्मनिर्भर भारत प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें देश के पहले माइक्रोप्रोसेसर शक्ति और वेगा पर उपकरण बनाने का टास्क तकनीकी शिक्षण संस्थानों को दिया गया था। देशभर से 6,169 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर माइक्रोप्रोसेसर से उत्पाद तैयार करने के लिए आवेदन किया था। इसमें से टाप 100 और फिर टाप 30 टीमों का चयन किया गया। टाप 30 में आइआइटी इंदौर शामिल है। इसमें भी नौवां स्थान मिला। फाइनल के लिए कुल 10 टीमों का चयन किया जाएगा। इसमें आइआइटी इंदौर को सफलता मिलने की उम्मीद काफी ज्यादा है।

माइक्रोप्रोसेसर से आइआइटी इंदौर की टीम ड्रोन तैयार कर रही है। इसे बनाने में टीम सफल हो जाती है तो 25 लाख रुपये टीम को मिलेंगे। टाप 100 में जगह बनने के लिए एक लाख रुपये टीम को मिल चुके हैं और टाप 30 में जगह बनाने पर चार लाख रुपये भी दिए जाएंगे।

ड्रोन तैयार करने वाली आइआइटी टीम के सदस्य पीएचडी रिसर्चर गोपाल राउत, सौरभ कारकून, शावेज मलिक, जोगेश कुमार, सुधीर रेड्डी हैं। राउत का कहना है हमने 'सेमी आटोनोमस ड्रोन फार फारेस्ट मानिटरिंग एंड आइडेंटीफिकेशन टरेन माडिफाई एक्टर' बनाया है। ड्रोन की रेंज 10 किलोमीटर रहेगी। यह पूरी तरह आटोमेटिक रहेगा। एक बार कमांड देने के बाद अपने आप सेंसर से पता लगाता रहेगा कि जंगलों के बीच में कहां पर क्या चल रहा है। ड्रोन को तैयारी करने के लिए करीब ढाई महीने का समय है। फाइनल चरण में इसे प्रस्तुत करना होगा। सफल हो जाता है तो यह देश का पहला स्वदेशी ड्रोन कहलाएगा, जिसका माइक्रोप्रोसेसर सहित सभी उपकरण भारत में तैयार किए गए हैं।

वेगा माइक्रोप्रोसेसर से तैयार कर रहे ड्रोन। • नईदुनिया

उपलब्धि • मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफर्मेशन टेक्नोलाजी के आत्मनिर्भर भारत प्रतियोगिता में छह हजार टीमों को टक्कर देकर फाइनल में पहुंची टीम

जोगेश

सुधीर

शावेज

सौरभ

गोपाल

एक साल कर रहे काम

आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है संस्थान के लिए यह गर्व की बात है कि स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर से देश का पहला ड्रोन बनाया जा रहा है। संस्थान के एनएसडीसीएस लैब के प्रमुख डा. संतोष विश्वकर्मा का कहना है करीब एक वर्ष से विद्यार्थी ड्रोन तकनीक पर काम कर रहे हैं। संस्थान के इंक्यूबेशन केंद्र में विद्यार्थियों के स्टार्टअप को पंजीयन भी कर लिया गया है।